

SHRI M.A. BABY (Kerala): Sir, with regard to the suggestion about separate budget for agriculture, I would say, that is something which we may have to discuss separately in detail. But so far as the question of food production coming down is concerned, it is a very serious matter and I request you to direct the Government to come forward with a statement as to what the real position is.

श्री नरेश यादव (बिहार): महोदय, यह साल निराला जी की जन्म शताब्दी का है।... (व्यवधान) गरीबों की आवाज़ का नाम सूर्यकान्त त्रिपाठी "निराला" जी है। उनकी जन्म शताब्दी है। सरकार की तरफ से बयान आना चाहिये और शताब्दी मनाई जानी चाहिये।... (व्यवधान)

डा० वाई लक्ष्मी प्रसाद: महोदय... (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी) : अभी आप बैठिए... (व्यवधान) वह अवसर मिलेगा। अभी आप बैठिए

श्री नरेश यादव: यह एक अहम सवाल है। गरीबों की आवाज़ लगाने वाले... (व्यवधान) अकेले कवि निराला जी थे।... (व्यवधान) और उनकी शताब्दी हो रही है।... (व्यवधान) यह शताब्दी मनाई जाए। यह बहुत आवश्यक है और गरीबों के बारे में सोचने वाले राष्ट्र कवि... (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी) : अगर आप बिना अनुमति के बोलेंगे तो रेकार्ड में कुछ भी नहीं जाएगा।... (व्यवधान)

डा० वाई लक्ष्मी प्रसाद: आप अनुमति दीजिए।... (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी) : आपको बाद में अनुमति मिलेगी।

डा० वाई लक्ष्मी प्रसाद: थैंक यू सर।
... (व्यवधान)

श्री विष्णु कान्त शास्त्री: इस विषय में मुझे भी अनुमति दी जाएगी?... (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी) : बैठिए अभी।
Shrimati Anandiben Jethabhai Patel, not present. Shri Parag Chaliha.
...(Interruptions)... Shri Parag Chaliha.

He has just come. Mr. Chaliha, you have to speak on "Rising tide of crime against women in Delhi".

RE: RISING TIDE OF CRIME AGAINST WOMEN IN DELHI

SHRI PARAG CHALIHA (Assam): Sir, as is well known, crime against women in Delhi is going on almost every day. Through this mention I would like to request the hon. Home Minister to take adequate steps so that this crime is at least reduced, if not totally eradicated. This is the crux of my mention. Thank you.

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा (दिल्ली): महोदय, मैंने आपसे रेकवेस्ट की थी?

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी): हां, आप एसेसिएट करें।

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा: उपसभाध्यक्ष जी, यह महिलाओं के विरुद्ध जो अपराध दिल्ली में बढ़ते जा रहे हैं बसों के अंदर, दिल्ली यूनिवर्सिटी में जो आंकड़े आए हैं उसके मुताबिक दिल्ली के अंदर महिलाओं के विरुद्ध इतने भीषण अपराध हुए हैं... (व्यवधान)

SHRIMATI MARGARET ALVA (Karnataka): Sir, there is 28 per cent rise in rapes in Delhi?

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा: और ये बलात्कार के कांड बसों में छेड़छाड़ के, चेन झपटने के और छोटी बच्चियों पर जो अत्याचार हो रहे हैं और उनका शोषण हो रहा है, इन सब के बारे में ऐसा लगता है कि सरकार उनकी तरफ से बिल्कुल मुंह मोड़े बैठी है और इनके बारे में कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। यह इसलिए भी हो रहा है कि केन्द्र के पास दिल्ली पुलिस के लिए कोई टाईम नहीं है कि वह दिल्ली पुलिस के काम को देख सके और उसके बारे में न कोई मीटिंग होती है, न कोई एडवाइज़री कमेटी है और खास कर महिलाओं के ऊपर होने वाले अत्याचार और दिल्ली के अन्दर अपराधों का बढ़ता जाना बहुत ही गंभीर समस्या है। इसके बारे में सरकार को सख्त कदम उठाने चाहिये।

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी): आपने अब अपने आपकी सम्बद्ध कर लिया है।... (व्यवधान) श्री कोहली भी इससे सम्बद्ध किए जाते हैं।... (व्यवधान) श्री गुरुदास दास गुप्त भी सम्बद्ध

किए जाते हैं।... (व्यवधान)

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Sir, one more point I want to make. Some time back, maybe, in the last Session, there was a categorical statement made by the Prime Minister that he would be setting up a special cell to look into the problems of lawlessness and violence in Delhi. I do not know what has happened to that. Delhi is the Capital of the country. Now it seems that Delhi is the capital of the criminals also.

SHRIMATI MARGARET ALVA: Crime capital!

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Delhi is the crime capital and it has become a den of criminality. Therefore, Sir, it is not that we just raise the matter and draw the attention of the Government... (Interruptions)...

SHRI SATISH AGARWAL (Rajasthan): It is handled by the Central Government ... (Interruptions)...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Sir, the point is the Government may be directed by the Chair... (Interruptions)...

SHRI SATISH AGARWAL: Six months have passed. Nothing has been done. ... (Interruptions)...

THE VICE-CHAIRMAN (SHRI AJIT P.K. GOGI): let him speak.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Sir, the issue is not that the crime is being committed against women. That is only one part. Crime against women is one part. Another part is crime itself has increased. This is a dangerous thing. We cannot afford Delhi becoming so lawless. So lawless! Therefore, Sir, I request you to kindly direct the Government to inform the House as to what it is going to do about this problem. It only looks into the security.

प्रो० विजय कुमार मल्होत्रा: जब से होम मिनिस्टर इन्द्रजीत गुप्त जी आए हैं तब से बहुत बढ़ गया और तब से इसको रोकना चाहिये और इसके बारे में कोई कार्यवाही की जानी चाहिए।... (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी): मि० मल्होत्रा, आप बोल चुके हैं।... (व्यवधान)

श्री रामदास अग्रवाल (राजस्थान): उपसभाध्यक्ष जी, आपको ध्यान में होगा कि इसी सदन में माननीय प्रधान मंत्री महोदय ने यह कहा था कि दिल्ली में बिगड़ती हुई लाँ एंड आर्डर सिचुएशन के लिए वह विशेष रूप से व्यवस्था बहुत जल्दी करने वाले हैं। तब जल्दी की क्या परिभाषा यह सरकार देती है यह तो बताएं? आखिर कब वह जल्दी समय आएगा? जबकि दिल्ली में लाँ एंड आर्डर सिचुएशन के लिए जो स्वयं केन्द्र सरकार डाइरेक्टली जिम्मेदार है उसके लिए वह क्या कर रही है? स्पेशल टास्क फोर्स बनाए जाने की बात भी की गई थी।... (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी): आप बैठ जाइये। आपने अपनी बात कह ली है।... (व्यवधान)

श्री ओ० पी० कोहली (दिल्ली): उपसभाध्यक्ष जी, प्रधान मंत्री जी ने भी इस पर बहुत चिंता प्रकट की थी।... (व्यवधान)

उपसभाध्यक्ष (श्री अजीत जोगी): रामदास जी, बैठिए। आपने अपनी बात कह ली है।... (व्यवधान)

श्री ओ० पी० कोहली: उसके बाद भी कुछ नहीं हुआ और यह सच है कि कानून और व्यवस्था बिगड़ती जा रही है।

श्री ओ० पी० कोहली: दिल्ली की कानून व्यवस्था, दिल्ली की निर्वाचित सरकार के हवाले क्यों नहीं की जाती?

RE: REPORTED SCAM OF ONE HUNDRED AND FIFTY CRORES OF RUPEES IN VIJAYA BANK

श्री शिवबरण सिंह (राजस्थान): उपसभाध्यक्ष महोदय, अनेकों घोटालों के बाद अभी भी घोटाला पकड़ने का सिलसिला कम नहीं हुआ है।

अभी विजया बैंक में 150 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ जिस में सी०बी०आई० ने 117 करोड़ रुपए के घोटाले में एक ही फर्म को पकड़ा है। उस में श्री सदान शेड्टी और उनके तीन-चार डायरेक्टर हैं जिन्होंने ओ०एन०जी०सी० से बिजनेस लेने के नाम पर विजया बैंक से रुपया लिया जिस में उन के ऑफीसर्स मिले हुये थे। महोदय इस विजया बैंक में 80-90 के दशक में घारी घोटाले हुए और लोन मेले जोकि हमारे भूतपूर्व वित्त मंत्री माननीय पुजारी जी के जमाने में लगाये गए...

SHRI JANARDHANA POOJARY (Karnataka): Sir, you must give me an opportunity. He has mentioned my name. (Interruptions)...